

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीभरिष्योत्तर पुराणे श्रीसूर्य कृतं  
॥ श्री सुदर्शनस्तोत्रम् ॥

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

## ॥ श्री सुदर्शनस्तोत्रम् ॥

सुदर्शन महाज्वाल प्रसीद जगतः पते।  
तेजोराशे प्रसीद एरं कोटिसूर्यामितप्रभ ॥ 1 ॥

अञ्जानतिमिरध्रंसिन् प्रसीद परमाद्भुत।  
सुदर्शन नमस्तेहस्त देरानां एरं सुदर्शन ॥ 2 ॥

असुराणां सुदुर्दर्श पिशाचानां भयङ्कर।  
भङ्गकाय नमस्तेहस्त सर्वेषामपि तेजसाम् ॥ 3 ॥

शान्तानामपि शान्ताय घोराय च दुरात्नानाम्।  
चक्राय चक्ररूपाय परचक्राय मायिने ॥ 4 ॥

हेतये हेतिरूपाय हेतीनां पतये नमः।  
कालाय कालरूपाय कालचक्राय ते नमः ॥ 5 ॥

उग्राय चोग्ररूपाय क्रुद्धोक्त्वाय नमो नमः।  
सहस्राराय शूराय सहस्राक्षाय ते नमः ॥ 6 ॥

सहस्राक्षादि पूज्याय सहस्रशिरसे नमः।  
ज्योतिर्मण्डलरूपाय जगत्त्रितय धारिणे ॥ 7 ॥

त्रिनेत्राय त्रयी धाम्ने नमस्तेहस्त त्रिरूपिणे।  
एरं यञ्जस्त्रं रघटकारः एरं ब्रह्मा एरं प्रजापतिः ॥ 8 ॥

एरमेर रहिस्त्रं सूर्यः एरं रायुस्त्रं रिशांपतिः।  
आदिमध्यान्तशून्याय नाभिचक्राय ते नमः ॥ 9 ॥

জ্ঞানরিজ্ঞানরূপায় ধ্যান ধ্যেয়স্বরূপিণে।  
চিদানন্দ স্বরূপায় প্রকৃতেঃ পৃথগাত্মনে ॥ 10 ॥

চরাচরাণাং ভূতানাং সৃষ্টিস্থিত্যন্তকারিণে।  
সর্বেষামপি ভূতানাং ঐরমের পরমাগতিঃ ॥ 11 ॥

ঐর্যৈর সর্বং সর্বেশ ভাসতে সকলং জগৎ।  
ঐরদীযেন প্রসাদেন ভাস্করোহস্মি সুদর্শন ॥ 12 ॥

ঐরত্তেজসাং প্রভারেন মম তেজো হতং প্রভো।  
ভূয়স্সংহর তেজস্ক্রং অরিষহ্রং সুরাসুরৈঃ ॥ 13 ॥

ঐরংপ্রসাদাদহং ভূয়ঃ ভরিষ্যামি প্রভান্নিতঃ।  
ক্ষমস্ব তে নমস্তুহস্তু অপরাধং কৃতং ময়া।  
ভক্তরৎসল সর্বেশ প্রণমামি পুনঃ পুনঃ ॥ 14 ॥

ইতি স্তুতো ভানুমতা সুদর্শনঃ  
হতপ্রভেণাদ্ভুত ধাম রৈভরঃ।  
শশাম ধাম্নাতিশযেন ধাম্নাং  
সহস্রভানৌ কৃপয়া প্রসন্নঃ ॥ 15 ॥

॥ শ্রী সুদর্শনস্তোত্রং সমাপ্তম্ ॥